****गीता ज्ञान****

घर जाना है.. कर ले जीवन को उज्जवल .. ज्ञान प्रकाश से... क़यामत के है दिन...करले चुकतु अपने सब हिसाब।
ऊँचे ते उंच बाप आया है... देने अमूल्य ज्ञान रत्नों का उपहार... हो जा पावन ...पतित पावन का है यह फरमान।
काम महाशत्रु है.. लिखा है गीता में भी.... इसी से हुआ है पतन मनुष्य का आज।
विकारो की जड़ है देह अभिमान... कर ले सर्वस इसका तो त्याग.. घर चलना है बनकर पवित्र ... मुक्तिधाम।
फॅमिली प्लानिंग करने आया ... विश्व का रचयिता ...करा न पाया minister कोई अब तक ...मुश्किल है काम पर जीत पाना... जो करा सकते केवल प्रभु हमारे शिव राम।
सर्व गुण संपन्न .. अहिंसा परमो देवी देवता .. मर्यादापुरषोतम.. बनाता है परमपिता परमात्मा.... दे कर गीता का सत्य ज्ञान .. फॅमिली प्लानिंग का .. मुख्य शास्त्र .. है ...वो ही करते गायन जिसका हर भगत आज भी गुण गान।
.....ॐ शांति....